07.03.2018

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

सूचना

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय के महिला-प्रकोष्ठ द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में (08.03.2018 को सेमिनार हॉल में एक चर्चा-परिचर्चा का आयोजन किया गया है। आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

7.3.18

(महिला प्रकोष्ठ, संयोजिका)

8-3-2018

Attendance of Students

Sr.No.	Name	Roll No.	Class	Sr.No.	Name	Roll No.	Class
1	Komal	1531420031	B.A-I Gen.	33	Mistha	32	"
2	Anju	238	"	34	Manisha	03	"
3	Arti	189	"	35	Anju	53	"
4	Seema	183	"	36	Priyanka	51	"
5	Anjali	205	"	37	Deepali	26	"
6	Sneha	90	"	38	Kajal	28	B-A-Ist Gen
7	Simran	256	"	39	Poonam	3223	B-A-II G
8	Komal	174	"	40	Anjali	3359	"
9	Komal	52	"	41	Khyati	3216	"
10	Rita	55	"	42	Sumitra	3109	"
11	Sandhya	184	"	43	Anjali	3287	"
12	Monika	57	"	44	Sudakshina	3201	"
13	Yamuna	234	"	45	Anchal	3344	"
14	Sonia	206	"	46	Pooja	3169	"
15	Baljinder	74	"	47	Niharika	3168	"
16	Swati	85	"	48	Anchal	3185	"
17	Rajni	164	"	49	Manjit Kaur	3363	"
18	Deepa	91	"	50	Deepa	3763	"
19	Priya	259	"	51	Pooja	3343	"
20	Anjali	282	"	52	Sheenam	3604	BA-II Voc.
21	Gurpreet	162	"	53	Shreya	3631	"
22	Sonia	76	"	54	Poonam	2835	B-A III Voc.
23	Diksha	1614520050	B.A-I Voc.	55	Anchal	2838	"
24	Aditi	01	"	56	Sapna	2522	BA III Gen
25	Neha	07	"	57	Kuranjit	2601	"
26	Komal	14	"	58	Arshpreet	2602	"
27	Mehak	49	"	59	Saloni	2552	"
28	Diksha	20	"	60	Manisha	2546	"
29	Manpreet	05	"	61	Chanda	2576	"
30	Anchal	44	"	62	Deepa	2808	"
31	Amanpreet	11	"	63	Nidhi	2764	"
32	Charanjit	12	"	64	Monika	2672	"

Gender champion

Sr.No	Name	Roll No	Class	Sr.No	Name	Roll No	
65	Sapna.	2684	"	97	Pooja	4002	
66	Nikita	2739	"	98	Pooja	3775	
67	Suman	2670	"	99	Manju	3781	
68	Vaishali	2587	"	100	Eva	2116	
69	Oshin	2505	"	101	Neha	2117	B.. N..
70	Megha	3049	B.Com I	102	Asti	2124	
71	Diksha	3139	B.A-II G.	103	Pooja	2114	
72	Muskan	3135	"	104	Sarohi	2401	
73	Maney	3131	"	105	Madhoo	2136	
74	Kajal	3126	"	106	Rita	2144	
75	Suman	3117	"	107	Rachna	2145	"
76	Monika	3114	"	108	Sheetal	2340	BSc C.S
77	Payal	3108	"	109	Ankita	2338	"
78	Sunaina	3113	"	110	Vaishali	2301	"
79	Megha	3601	B.A-II Voc.	111	Neha	2302	"
80	Suneksha	3608	"	112	Arzoo	2307	"
81	Aditi	3612	"	113	Ravina	2308	"
82	Jyoti	3663	"	114	Kajal	2336	"
83	Rita	3658	"	115	Money	2333	"
84	Harsimran	3657	"	116	Yogita	2332	"
85	Roopika	3654	"	117	Yashika	2314	"
86	Pooja	3638	"	118	Neha	2317	"
87	Anju	3625	"	119	Sweta	2318	"
88	Lalita	3532	B.Com-II G.	120	Shalini	2320	"
89	Anju	3541	"	121	Renu	2331	"
90	Pooja	3536	"	122	Kajal	2319	"
91	Ankita	3538	"	123	Neha	2330	"
92	Nishi	3572	"	124	Shalini	2320	"
93	Bulli	3506	"	125	Ishu	2327	"
94	Suman	4028	B.Com II Voc.	126	Manpreet	2326	"
95	Sonam	4042	"	127	Shiwani	2324	"
96	Preeti	4003	"	128	Preeti	2323	"

8-3-2018

MBD WRITEWELL

Date ....

Page ....

o	Name	Roll No	class
9	Nisha	2341	"
30	Kajal	2375	"
31	Shobha	2343	"
32	Arzo	2345	"
33	Anju	2373	"
34	Mehak	2374	"
35	Shiwani	2346	"
136	Pooja	2362	"
137	Anjali	2363	"
138	Kajal	2348	"
139	Manisha	2349	"
140	Sangita	2350	"
141	Deepshika	2352	"
142	Sheetal	2370	"
143	Neenu	2364	"
144	Jyoti	2365	"
145	Hema	2366	"
146	Heena	2367	"
147	~~BTM~~ Kajal	4921	BTM-II
148	Manju	4901	"
149	Anchal	4903	"
150	Sweta	4905	"
151	Hardeep	4906	"
152	Preeti	4909	"
153	Sonia	4912	"
154	Mamta	4917	"
155	Jyoti	4918	"
156	Priyanka	4919	"
157	Manpreet	4911	"
158	Pooja	4922	"

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस-नोट

आज दिनांक 08.03.18 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय ***महिला दिवस के अवसर पर नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर चर्चा-परिचर्चा*** का आयोजन किया गया। पैनल के रूप में डॉ. हरनीत कौर, डॉ. सोनिया मलिक, डॉ. कुसुम लता और डॉ. गुरप्रीत कौर आमंत्रित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अनीता गुप्ता ने की। इस अवसर पर कुछ छात्राओं की माताएं भी उपस्थित थीं।

आरम्भ में कुमारी आकांक्षा ने स्त्रियों पर स्वरचित कविता सुनाकर सबको भावविहबल कर दिया। डॉ. हरनीत कौर ने कविता से अपनी बात की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि स्त्री के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती। समाज में नारी के प्रति बढ़ते हुए अपराधों ने उसे हर तरह से असुरक्षित कर दिया है। स्त्री को वस्तु की तरह ही देखा जाता है और केवल उपभोग होना ही उसकी नियति बन गया है। परन्तु अगर स्त्री को आगे बढ़ना है तो उसे साहस से संघर्ष करना होगा, विकृत परम्पराओं को त्यागना पड़ेगा। उन्होंने समाज में माँ की भूमिका पर भी विस्तार से विचार रखे। जो महिलाओं और लड़कियों के लिए डॉ. सोनिया ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक रहने को कहा। उन्होंने भारत में महिला दिवस आयोजन के इतिहास पर प्रकाश डाला, उसी कड़ी के अन्तर्गत महाविद्यालयों में महिला प्रकोष्ठ स्थापित किए गए जो समय समय पर छात्राओं को स्त्री मुद्दों के प्रति सचेत करते हैं। उन्होंने आंकड़ों के माध्यम से बताया कि समाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। महिलाओं के प्रति, अपराधों के प्रति सचेत रहकर मुकाबला करना चाहिए ना कि आंखें मूँद लें।

एक छात्रा ने पैनल से सवाल किया कि सेनेटरी पैड पर जी.एस.टी. क्यों लगाया गया है पर डॉ. सोनिया ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सब सरकार से ये निवेदन करते है कि सरकार को ऐसी दैनिक जरुरत की वस्तुओं को कर मुक्त करना चाहिए।

डॉ. कुसुम लता ने अपने सम्बोधन में इतिहास में स्त्रियों की दशा पर प्रकाश डाला। स्त्रियों को हमेशा दोयम दर्जे का व्यक्ति समझा गया है। इज्जत के नाम पर हमेशा से उसका शोषण किया जाता रहा है। छात्राओं को अपने भाव अपने परिजनों से सांझा करने चाहिए। हमें आत्मविश्वास से संकट का सामना करना चाहिए। अभिभावकों को लड़के-लड़कियों का पालन पोषण समानता के आधार पर करना चाहिए। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर महिला दिवस मनाया जाता है जिससे समाज की धारणाओं में परिवर्तन आ रहा है।

डॉ. गुरप्रीत कौर ने छात्राओं को अपने स्त्री होने पर गर्व करने का आह्वान किया। आज की औरतें कविता के माध्यम से परिवर्तन की लहर को श्रोताओं को महसूस करवाया। विश्व स्तर पर नारी ने अपनी पहचान बनाई है। उसने प्राचीन मूल्यों को झकझोरा है और शोषण के खिलाफ रास्ता बनाया है, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होकर समाज को दिशा देने में अपना योगदान दे रही है। महिला दिवस आयोजन एक बेहतर समाज बनाने का सपना लेकर आयोजित किए जा रहे हैं। डॉ. मनजीत कौर ने कहा कि आए नारी अबला नहीं सबला है अपनी कविता में उन्होंने नारी शक्ति को उजागर किया।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में प्राचार्या श्रीमती अनीता गुप्ता ने स्त्री शक्ति को नमन किया। उन्होंने सभी वक्ताओं का इस पावन दिन पर महाविद्यालय में उपस्थित होकर अपने विचार सांझा करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि परम्पराओं और संस्कारों को चले आ रहे नजरिए से ही ना देखें बल्कि अपना एक नजरिया विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम सतर्क और जागरूक होते है तो ये कार्यक्रम की सफलता है। विभिन्न छात्राओं ने अपने प्रश्न विशेषज्ञ पैनल से पूछे। अभिभावकों ने अपने विचार सबके साथ सांझा किए। मंच संचालिका डॉ. सुमन राजन ने कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला दिवस को सार्थक बनाने के लिए जागरूक रहने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित किया। उन्होंने सभी को स्त्री सबलीकरण, समाज के प्रति दायित्व की शपथ दिलाई। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ, एन.एस.एस. परिषद् की संयोजिका डॉ. मनजीत कौर और युवा कल्याण परिषद की संयोजिका डॉ. कमलेश कौशल तथा डॉ. अनु, डॉ. सीमा, डॉ. रूकमेश, डॉ. पूजा, डॉ. सोनिया और सदस्याएं छात्राओं के साथ उपस्थित रहीं।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8-3-2018)

अमर उजाला (9.03.2018)

दयानंद महिला कॉलेज में शपथ लेतीं शिक्षिकाएं, माताएं एवं छात्राएं। - अमर उजाला

नारी जीवन के विविध पहलुओं पर हुई परिचर्चा

दयानंद महिला कॉलेज में नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर परिचर्चा हुई। पैनल में डॉ. हरनीत कौर, डॉ. सोनिया मलिक, डॉ. कुसुम लता, डॉ. गुरप्रीत कौर आमंत्रित रहीं। अध्यक्षता कालेज प्राचार्य अनीता गुप्ता ने की। छात्राओं की माताएं भी कार्यक्रम में पहुंचीं। डॉ. हरनीत कौर ने कविता के माध्यम से कहा कि स्त्री के बिना समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। डॉ. सोनिया ने सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने छात्रा के सवाल पर पैड को सरकार से जीएसटी मुक्त करने की अपील की। प्राचार्य अनीता गुप्ता ने नारी शक्ति को नमन किया। मंच संचालिका डॉ. सुमन राजन ने कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला दिवस को सार्थक बनाने के लिए जागरूक रहने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी को स्त्री सबलीकरण, समाज के प्रति दायित्व की शपथ दिलाई। इस अवसर पर डॉ. मनजीत कौर, डॉ. कमलेश कौशल, डॉ. अनु, डॉ. सीमा, डॉ. रुक्मेश, डॉ. पूजा, डॉ. सोनिया मौजूद रहीं।

पंजाब केसरी (9.03.2018)

नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर चर्चा-परिचर्चा का आयोजन

कुरुक्षेत्र(धमीजा): दयानन्द महिला महाविद्यालय कुरुक्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर चर्चा-परिचर्चा का आयोजन किया गया। पैनल के रूप में डा. हरनीत कौर, डा. सोनिया मलिक, डा. कुसुम लता और डा. गुरप्रीत कौर आमंत्रित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या अनीता गुप्ता ने की। इस अवसर पर कुछ छात्राओं की माताएं भी उपस्थित थीं। आरम्भ में कुमारी आकांक्षा ने स्त्रियों पर स्वरचित कविता सुनाकर सबको भाव-विहबल कर दिया। डा. हरनीत कौर ने कविता से अपनी बात की शुरूआत की।

परिचर्चा में शामिल शिक्षिकाएं।

दैनिक जागरण और दयानंद कन्या महाविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर के वक्ताओं ने नारी की महिमा का गुणगान किया। महिलाओं के कई पहलुओं पर बात की गई। जागरण के मंच पर लोगों ने खुलकर अपने विचार रखे। वक्ताओं की ओर से छात्राओं से आह्वान किया कि वे अबला नहीं सबला हैं। उनकी शक्ति से ही देश का विकास हो रहा है।

दैनिक जागरण और दयानंद कन्या महाविद्यालय की ओर से महिला दिवस पर कार्यक्रम, वक्ताओं ने छात्राओं से किया आह्वान- अबला नहीं सबला बनें

नारी शक्ति के बिना समाज का विकास संभव नहीं

डॉ. मनजीत कौर।

संस्कारों की शक्ति से ताकतवर बनें महिलाएं :

दयानंद महिला महाविद्यालय की एनएसएस को-आर्डिनेटर डॉ. मंजीत कौर ने कहा कि आधुनिक युग में महिलाओं को संस्कारों की शक्ति से ताकतवर बनना होगा। आज लड़कियों को फिल्मी एक्ट्रेस के बजाय महारानी लक्ष्मीबाई और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक कल्पना चावला जैसी महान आत्माओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। आधुनिक युग में झांसी की रानी की तरह तलवार उठाकर लड़ाई लड़ने के बजाय आत्मविश्वास जगाकर और सशक्त बनने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रावीन काल की तरह आज की नारी बेबस नहीं है वह बहुत से मामलों में पूरी तरह से आजाद है।

जयमाला।

अपनी बेटी के माध्यम से सपने कर रहीं पूरे

दयानंद महिला महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्रा आरती की माता जय माला ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दैनिक जागरण के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं में जागरूकता के लिए इस तरह के कार्यक्रम होते रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह ...

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम: श्लोक चरितार्थ होता दिख रहा है। नारी के रास्ते में भले ही कितनी कठिनाइयां आ रही हों, लेकिन नारी समाज में लगातार सशक्त हो रही हैं। दैनिक जागरण और दयानंद कन्या महाविद्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह देखने का मिला। वक्ताओं ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें अबला नहीं सबला होने की नसीहत दी। वक्ताओं का मानना था कि अब समाज बदल रहा है और इसमें नारी शक्ति को अब हर कोई मान और समझ रहा है। कार्यक्रम में नारी जीवन के विविध पहलू विषय पर आयोजित चर्चा में चार वक्ताओं के साथ महाविद्यालय की शिक्षिकाओं और छात्राओं ने अपने-अपने मत रखे। मंच से वक्ताओं ने छात्राओं को वैदिक संस्कृति से जुड़े रहकर अपने अधिकारों और सम्मान के प्रति सचेत

दयानंद महिला महाविद्यालय में आयोजित विश्व महिला दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ करती मुख्यातिथि।

बेटी होने पर करें गर्व : डॉ. हरनीत कौर

आइजीएन कॉलेज लाडवा की एसोसिएट प्राफेसर डॉ. हरनीत कौर ने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हम बेटी हैं, लेकिन इसके साथ ही यह भी जानना जरूरी है कि नारी ही मां भी है। वैदिक संस्कृति से लेकर आज तक महिलाओं को दोयम श्रेणी में रखा गया है, लेकिन अब समय आ गया है कि बदलाव किया जाए। लगातार बदलाव को समाज और युवाओं में महसूस भी किया जा रहा है।

डॉ. हरजीत कौर

उन्होंने कहा कि नारी के विविध रुपों में सबसे जरूरी रूप मां का है। मां के बिना न तो कोई सृष्टि की कल्पना कर सकता और न ही यह संभव है। आज समाज में विकृतियां ज्यादा हैं और नारी को हर पग पर बाधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन नारी इन सब बाधाओं को पार कर लगातार बढ़ रही है। आज समाज की सोच और व्यवहार में नारी के प्रति बदलाव देखा जा रहा है। जो महिलाओं के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है।

15 श्लोकों को सुनकर हम बराबरी नहीं मान सकते : डॉ. कुसुम

यूनिवर्सिटी कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कुसुम ने कहा कि वैदिक काल से ही महिलाओं के प्रति अच्छा व्यवहार नहीं हो पाया। फिर चाहे रामायण में सीता की बात हो या फिर महाभारत में द्रोपदी दोनों की महिलाओं के जीवन से साफ होता है कि आखिर सच्चाई क्या थी। वहीं हम वैदिक काल में मात्र कुछ महिलाओं द्वारा लिखे गए श्लोकों को पढ़कर हम मान लेते हैं कि वैदिक काल में बराबरी का दर्जा था, लेकिन इतिहास बताता है कि उस समय की विदुषियों के केवल 15 श्लोक हैं। क्या कोई मान सकता है कि समाज की आधी आबादी यानि पुरुष तो हजारों श्लोकों से परिपूर्ण वेदों की रचना

डॉ. कुसुम

कर रहे हैं और महिलाएं केवल कुछ श्लोक लिखकर संतुष्ट हो गई हैं। उन्होंने कहा कि अब समय बदल गया है महिलाएं आगे बढ़ रही हैं, लेकिन इतना सरल नहीं है। समाज विकृत हो चला है इसलिए दुविधाओं का भी खास ख्याल रखना होगा।

नारी रहे अपने अधिकारों के प्रति सचेत : डॉ. सोनिया मलिक

आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सोनिया मलिक ने कहा कि महिलाओं को वर्तमान समय में आगे बढ़ने के लिए अपने अधिकारों की पूरी जानकारी होनी चाहिए

डॉ. सोनिया मलिक

और खासकर युवाओं को इसके प्रति पूरी तरह से सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से लेकर प्रदेश सरकारों की ओर से महिलाओं को कानूनी ताकत दी है। जिनके बारे में पता होने के बाद ही हम इनका प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का स्वस्थ और शिक्षित होना अनिवार्य है। अपने परिजनों, शिक्षकों को अपने सामने आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए।

कार्यक्रम में शपथ लेती छात्राएं व शिक्षिका

समाज को सही दिशा देने में सक्षम है नारी : डॉ. अनिता गुप्ता

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही दयानंद महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनिता गुप्ता ने कहा कि नारी शक्ति से भरी है और घर को, परिवार को और समाज को सही देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में बदलाव आया है कि समाज की सोच बदल चुकी है और अब वह दिन दूर नहीं है जब महिलाओं का बराबरी का दर्जा मिलेगा। स्त्री शिक्षा इसके लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जब तक समाज में शिक्षा रूपी उजियारा नहीं होगा, ...नाव की गु...इस नहीं हो सकती। उन्होंने कार्यक्रम में पहुंची वक्ताओं का धन्यवाद किया।

प्राचार्या डॉ. अनिता गुप्ता

डॉ. सुमन राजन

मंच संचालन में डॉ. सुमन राज ने उठाए कई मुद्दे

कार्यक्रम में मंच संचालन कार्यक्रम की को-ऑर्डिनेटर डॉ. सुमन राजन ने मंच के माध्यम से नारी शक्ति को नई उर्जा प्रदान की। उन्होंने छात्राओं को आह्वान किया कि वे वैदिक काल और वर्तमान में नई ऊंचाइयों का छूने वाली महिलाओं का याद उनके दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छे ... र देने होंगे। लड़कियों ... याओं के प्रति अपनी ... रूप में मानकर बताना ... ी और गलत में अंतर

परपंराओं से जद्दोजहद कर आगे बढ़ रही हैं महिलाएं : डॉ. गुरप्रीत

डीएवी कॉलेज पिहोवा की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गुरप्रीत कौर ने कहा कि समाज में रूढ़िवादिता और परपंराओं का मकड़जाल इतना बड़ा है जो महिलाओं के आगे बाधा है। वर्तमान समय में महिलाएं इन बाधाओं को पार कर आगे बढ़ रही हैं। पारिवारिक जीवन में भी लगातार बदलाव हो रहा है। जिसके बाद भी नारी ने नई पहचान बनाने में सफलता हासिल की है। आज भी समाज में तीनों असमानता है। बेटियों को लेकर अभी तक समाज पूरी

डॉ. गुरप्रीत कौर

तरह से तैयार नहीं हो पाया है। घरों में बेटों और बेटियों के साथ समान व्यवहार करने की आवश्यकता है।

शिक्षा मिल का पत्थर साबित होगी विकास में : डॉ. अनु चौहान

दयानंद महाविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनु चौहान ने कहा कि आज हम भले ही विकसित होकर चांद पर पहुंच गए हो, लेकिन नारी आज भी विकास की मुख्यधारा में पूर्ण रूपेण शामिल नहीं हो सकी है। एक तरफ आज जहां नारी अंतरिक्ष की यात्रा कर हर स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 21वीं सदी को नारी सदी माना जा रहा है और समय परिवर्तन के साथ नारी की भूमिका में भी बदलाव हो रहा है। वह समय दूर नहीं है

डॉ. अनु चौहान

जब नारी पुरुष की जगह खुद ले लेगी। शिक्षा का विस्तार नारी के उत्थान में मील का पत्थर साबित हो रहा है।